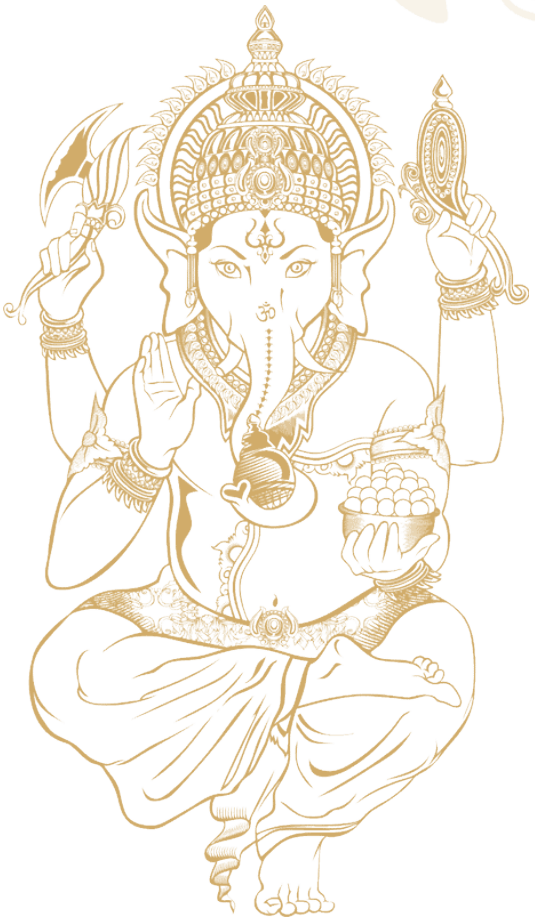

Rajni

22 Sep 1998

05:58 AM

Khatauli

Model: web-freekundliweb

Order No: 121321603

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**21-22/09/1998**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**05:58:00 घंटे**
इष्ट	59:37:49 घटी
स्थान	**Khatauli**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:16:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:38:48 घंटे
वेलान्तर	00:06:46 घंटे
साम्पातिक काल	05:41:30 घंटे
सूर्योदय	06:06:52 घंटे
सूर्यास्त	18:17:26 घंटे
दिनमान	12:10:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	04:58:28 कन्या
लग्न के अंश	02:06:23 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ब्रह्म
करण	बालव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ण--
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	02:06:23	316:25:34	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
सूर्य			कन्या	04:58:28	00:58:42	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	सम राशि
चंद्र			कन्या	19:23:19	11:55:18	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	मित्र राशि
मंगल			कर्क	26:35:23	00:37:24	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	गुरु	नीच राशि
बुध		अ	कन्या	01:44:31	01:51:08	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
गुरु	व		कुंभ	28:26:10	00:07:53	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			सिंह	25:01:16	01:14:37	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	08:38:03	00:03:32	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	नीच राशि
राहु	व		सिंह	07:28:46	00:04:22	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	07:28:46	00:04:22	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	15:15:56	00:01:16	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप	व		मक	05:39:06	00:00:38	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	11:49:53	00:01:12	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			मिथु	01:55:00	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:12

लग्न-चलित

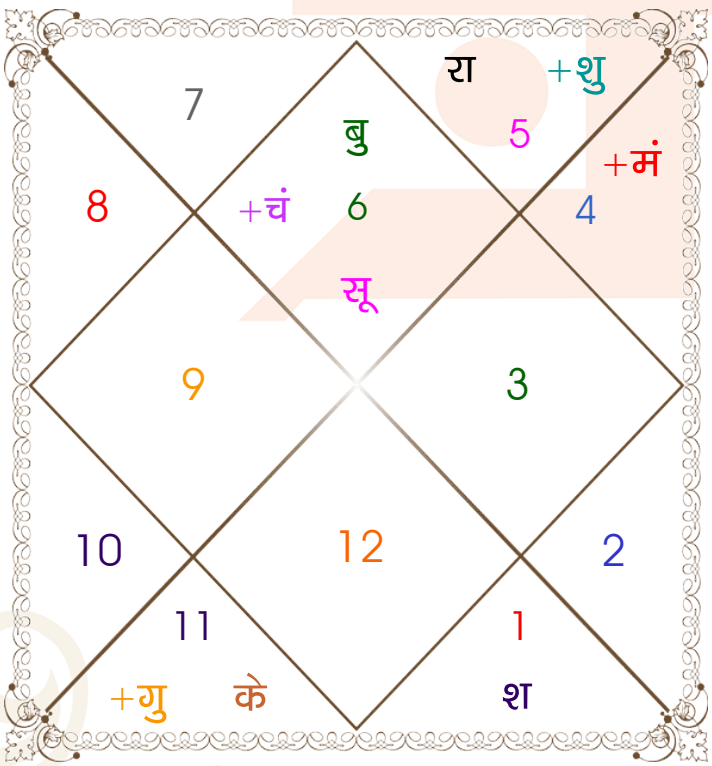

चन्द्र कुंडली

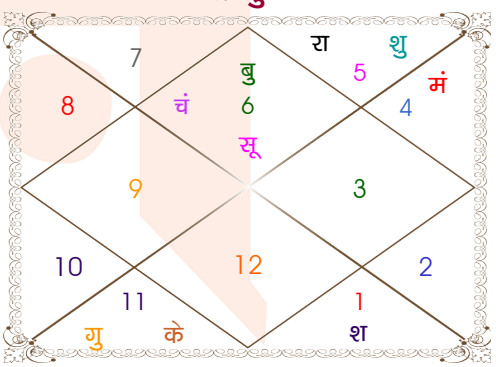

नवमांश कुंडली

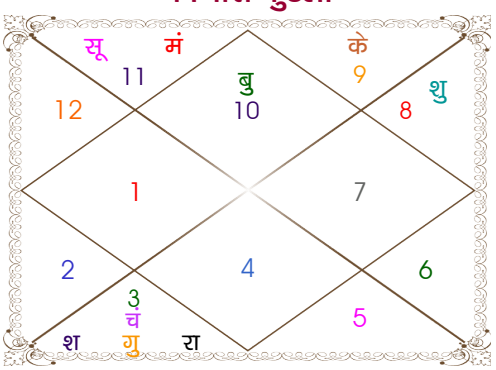

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 11 मास 15 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
22/09/1998		06/09/2001		06/09/2008		07/09/2026		07/09/2042	
06/09/2001		06/09/2008		07/09/2026		07/09/2042		06/09/2061	
	00/00/0000	मंगल	03/02/2002	राहु	20/05/2011	गुरु	25/10/2028	शनि	09/09/2045
	00/00/0000	राहु	21/02/2003	गुरु	13/10/2013	शनि	08/05/2031	बुध	20/05/2048
	00/00/0000	गुरु	28/01/2004	शनि	19/08/2016	बुध	13/08/2033	केतु	28/06/2049
	00/00/0000	शनि	08/03/2005	बुध	08/03/2019	केतु	20/07/2034	शुक्र	28/08/2052
	22/09/1998	बुध	05/03/2006	केतु	26/03/2020	शुक्र	20/03/2037	सूर्य	10/08/2053
बुध	07/12/1998	केतु	01/08/2006	शुक्र	27/03/2023	सूर्य	06/01/2038	चंद्र	11/03/2055
केतु	08/07/1999	शुक्र	01/10/2007	सूर्य	18/02/2024	चंद्र	08/05/2039	मंगल	19/04/2056
शुक्र	08/03/2001	सूर्य	06/02/2008	चंद्र	19/08/2025	मंगल	13/04/2040	राहु	24/02/2059
सूर्य	06/09/2001	चंद्र	06/09/2008	मंगल	07/09/2026	राहु	07/09/2042	गुरु	06/09/2061

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
06/09/2061		07/09/2078		06/09/2085		07/09/2105		08/09/2111	
07/09/2078		06/09/2085		07/09/2105		08/09/2111		00/00/0000	
बुध	03/02/2064	केतु	03/02/2079	शुक्र	06/01/2089	सूर्य	26/12/2105	चंद्र	08/07/2112
केतु	30/01/2065	शुक्र	04/04/2080	सूर्य	06/01/2090	चंद्र	27/06/2106	मंगल	06/02/2113
शुक्र	01/12/2067	सूर्य	10/08/2080	चंद्र	07/09/2091	मंगल	01/11/2106	राहु	08/08/2114
सूर्य	07/10/2068	चंद्र	11/03/2081	मंगल	06/11/2092	राहु	26/09/2107	गुरु	08/12/2115
चंद्र	08/03/2070	मंगल	07/08/2081	राहु	07/11/2095	गुरु	14/07/2108	शनि	08/07/2117
मंगल	05/03/2071	राहु	25/08/2082	गुरु	08/07/2098	शनि	26/06/2109	बुध	23/09/2118
राहु	22/09/2073	गुरु	01/08/2083	शनि	07/09/2101	बुध	03/05/2110		00/00/0000
गुरु	28/12/2075	शनि	09/09/2084	बुध	08/07/2104	केतु	08/09/2110		00/00/0000
शनि	07/09/2078	बुध	06/09/2085	केतु	07/09/2105	शुक्र	08/09/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 11 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करती कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहती हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करती है कि आपकी छोटी सी महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुकी हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगी और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगी। आप अस्थिर बुद्धि की महिला हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगी। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधी लम्बे आकृति की तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहती हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति की अंहकार से युक्त प्राणी है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होती हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि की महिला हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करती हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखती हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाती हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेती हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकती हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकती हैं। यदि आपमें

कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर की नेता हो सकती हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकती है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।